

प्रेषक,

अरविन्द सिंह हयौकी,
प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

1. निदेशक,
स्वजल परियोजना,
देहरादून।
2. प्रबन्ध निदेशक,
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,
देहरादून।

3. मुख्य महाप्रबन्धक,
उत्तराखण्ड जल संस्थान,
देहरादून।
4. मुख्य अभियंता,
राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 28 नवम्बर, 2016

विषय : पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अन्तर्गत पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु नीति निर्धारण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उत्तराखण्ड राज्य की जनता को स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराना पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का दायित्व है। वर्ष 2006 में विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित स्वजल परियोजना के अन्तर्गत बाह्य सहायतित कार्यक्रमों, केन्द्र पोषित योजनाओं, नाबार्ड, राज्य सैक्टर आदि सभी कार्यक्रमों में स्वैप पद्धति लागू करते हुए पेयजल योजनाओं के निर्माण एवं संचालन सम्बन्धी कार्य 'उपभोक्ता पेयजल एवं स्वच्छता उप समिति' (UWSSC) के माध्यम से सम्पादित किए जा रहे हैं। विगत कुछ वर्षों के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि उत्तराखण्ड जैसे पर्वतीय राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों के फलस्वरूप ग्रामवासियों का आर्थिक सामर्थ्य स्तर (Affordable level) इतना नहीं है कि बृहद पेयजल योजनाओं/पम्पिंग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव (Q&M) हेतु वांछित धनराशि का वहन कर सकें। फलतः निर्मित योजनाओं का या तो उचित संचालन एवं रखरखाव नहीं हो पा रहा है, या फिर इन योजनाओं का हस्तान्तरण अग्रेतर संचालन एवं रखरखाव हेतु उत्तराखण्ड जल संस्थान को किए जाने की माँग की जा रही है।

2. उक्त पृष्ठभूमि में, शासन शासन स्तर पर सम्यक विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु पूर्व में निर्गत समस्त आदेशों को अवक्रमित करते हुए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अन्तर्गत बाह्य सहायतित कार्यक्रमों, केन्द्र पोषित योजनाओं, नाबार्ड, राज्य सैक्टर आदि के अन्तर्गत निर्मित पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु निम्नवत् नीति निर्धारित किए जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (1) एकल ग्राम की गुरुत्व पेयजल योजनाओं का संचालन एवं रखरखाव सम्बन्धित ग्राम पंचायतों की 'उपभोक्ता पेयजल एवं स्वच्छता उप समिति' के द्वारा ही किया जायेगा। तदनुसार वर्तमान में निर्माणाधीन एकल ग्राम गुरुत्व पेयजल योजना का हस्तान्तरण सम्बन्धित सैक्टर संस्था/निर्माण संस्था द्वारा निर्माण के उपरान्त सम्बन्धित 'उपभोक्ता पेयजल एवं स्वच्छता उप समिति' को कर दिया जायेगा।
- (2) एकल ग्राम की पम्पिंग पेयजल योजनाओं एवं बहुत ग्राम की पम्पिंग/गुरुत्व (समस्त) पेयजल योजनाओं का संचालन एवं रखरखाव सम्बन्धित सैक्टर संस्था के रूप में उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा किया जायेगा। तथापि, एकल ग्राम की ऐसी पम्पिंग पेयजल योजना जिसे संचालन एवं रखरखाव हेतु पूर्व में 'उपभोक्ता पेयजल एवं स्वच्छता उप समिति' को हस्तान्तरित किया गया है, यदि सम्बन्धित उप समिति एवं ग्राम पंचायत की खुली बैठक में योजना को भविष्य में संचालन एवं रखरखाव हेतु उत्तराखण्ड जल संस्थान को हस्तान्तरित कर दिए जाने विषयक प्रस्ताव पारित किया जाता है तो ऐसी दशा में उस योजना को इस प्रतिबन्ध के साथ उत्तराखण्ड जल संस्थान को हस्तान्तरित किया जा सकेगा कि योजना के अग्रेतर सुसंचालन हेतु यदि बृहद मरम्मत कार्य की

आवश्यकता हो तो एक बार के लिए ऐसे मरम्मत कार्य हेतु राज्य सरकार द्वारा जल संस्थान को बजट उपलब्ध कराया जायेगा।

- (3) उत्तराखण्ड पेयजल निगम द्वारा निर्माणाधीन एकल ग्राम की पम्पिंग योजना तथा बहुल ग्राम की समस्त पेयजल योजनाओं (पम्पिंग/गुरुत्व) को निर्माण के उपरान्त संचालन एवं रखरखाव हेतु उत्तराखण्ड जल संस्थान को हस्तान्तरित किया जायेगा।
- (4) एकल ग्राम की गुरुत्व योजनाओं के सम्बन्ध में उपभोक्ताओं से टैरिफ की वसूली सम्बन्धित 'उपभोक्ता पेयजल एवं स्वच्छता उप समिति' द्वारा की जायेगी, किन्तु एकल ग्राम की पम्पिंग योजना एवं बहुल ग्राम की पम्पिंग/गुरुत्व पेयजल योजनाओं जिनका संचालन एवं रखरखाव जल संस्था के नियंत्रणाधीन होगा, के सम्बन्ध में उपभोक्ताओं से टैरिफ की वसूली करने का दायित्व उत्तराखण्ड जल संस्थान का होगा तथा ऐसी योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव पर पड़ने वाला अतिरिक्त व्यय भार, यदि कोई हो, उत्तराखण्ड जल संस्थान द्वारा स्वयं के संसाधनों से वहन किया जायेगा।
- (5) उत्तराखण्ड जल संस्थान के अनुस्क्षणाधीन सभी पम्पिंग योजनाओं के संचालन में होने वाला विद्युत व्यय पूर्व की भाँति राज्य सरकार द्वारा वहन किया जायेगा।

3. यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा तथा पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव विषयक पूर्व निर्गत किसी भी आदेश के असंगत होते हुए भी यह अग्रिम आदेश तक प्रभावी रहेगा।

भवदीय,

(अरविन्द सिंह हय्योकी)
प्रभारी सचिव।

संख्या : 944/उत्तीस(2)/16-02 (22पेय)/2004टी.सी.-1 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री को मा. मुख्यमंत्री जी के संज्ञानार्थ।
2. निजी सचिव, मा. पेयजल मंत्री को मा. मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
3. स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
4. समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव/प्रभारी सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. आयुक्त, गढ़वाल/कुमायूँ मण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. समस्त मुख्य विकास अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. समस्त जिला परियोजना प्रबन्धक, स्वजल परियोजना, उत्तराखण्ड।
11. निदेशक, एन.आई.सी. देहरादून।
12. प्रभारी मीडिया सेंटर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अर्जुन सिंह)
अपर सचिव